टमाटर की खेती में सफल किसान की सफलता की कहानी

श्री यदुनाथ गोराई ग्राम चुड़दा, बांसगड़, पटमदा के प्रगतिशील कृषक है । जिनकी पढ़ाई इंटर विज्ञान से हुई । घर की आर्थिक स्थिति नहीं होने कारण आगे की पढाई ये नहीं कर पाए । पढ़ाई छुटने के बाद इन्होंने अपने पिता का पुश्तैनी काम खेती को ही चुना । चूंकि ये पढ़ाई में अच्छे थे जिसके कारण कृषि की नई तकनीकों को अच्छी तरह समझते थे । आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहने एवं खेत में सिंचाई की सुविधा नहीं होने के कारण इन्हों ने बरसाती मूली का उत्पादन शुरू किया । क्योंकि बरसात में मूली बाजार में कम ही मिलता है जिसके कारण इन्हे काफी लाभ मिला । कृषि प्रभाग, उद्याान प्रभाग एवं आत्मा के सम्पर्क में आने के बाद इन्होंने कृषि यंत्र – पंप सेट, स्प्रेयर एवं लिफ्ट इरिगेशसन प्राप्त किया । उद्यान विभाग से सब्जी की उन्नत विचड़ा उत्पादन के लिए प्रोट्रे अनुदान पर प्राप्त किया । सब्जी खेती में इनकी रूचि को देखकर इन्हें प्रशिक्षण के लिए आत्मा के माध्यम से राज्य के बाहर भेजा गया ताकि उन्नत तकनीक की खेती जानकारी प्राप्त का खेती कर सके । इनकी खेती के कार्य में रूचि देखकर भाईयों ने भी सहयोग किया । पटमदा क्षेत्र में ये सब्जी उत्पादक के रूप में अपनी एक अलग पहचाई बना ली । ये लीज पर जमीन ले कर खेती करने लगे साथ ही जिस किसान का ये जमीन लीज पर लेते है वे उनको अपना सहयोगी के रूप में भी रखने लगे । कुल मुनाफा का आधा – आधा वे लेते थे जिसके कारण खेती में रूचि रखने वाने किसान यदुनाथ के साथ खेती करने लगे । इनके साथ काम करने वाले किसानों को भी विभाग द्वारा उपलब्ध अनुदान का लाभ मिलने लगा । यदुनाथ अन्य किसानों के साथ सालों भर खेती करने लगे । इनका सब्जी जमशेदपुर के मंडी के अलावे अन्य जगह प0 बंगाल, बिहार, उड़िसा में जाने लगा । ये बाजार के भाव के अनुसार ही सब्जी अन्यत्र भेजते है । इनके साथ अभी करीब 50 से अधिक किसान सब्जी की खेती खासकर टमाटर की खेती में जुड़े हुए है जिन्हे ये रोजगार के साथ ही कृषि के नये तकनीक से खेती की जानकारी दे रहे है । टमाटर की खेती में ये एक मिशाल है जो कि प्रति वर्ष कई तरह के टमाटर के प्रभेदों से खेती कर उत्पादन बढ़ा रहे है ।